Roll No. .....

753011
S–307(A&B)

B. Com. (Third Semester)
EXAMINATION, 2023-24

LANGUAGE HINDI

(Core Compulsory)

S–307(A)

(आधुनिक भारतीय भाषा)

[हिन्दी गद्य का उद्‌भव और विकास (क)]

उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं तक हिन्दी पढ़ी है

[SOACL/Hindi/MIL/CC–003(A)]

Time : Two Hours] [*Maximum Marks : 70*

नोट : (i) खण्ड 'अ' से किन्हीं पाँच प्रश्नों के और खण्ड 'ब' से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P. T. O.

StudyHub HNBGU

Scanned with OKEN Scanner

(ii) खण्ड 'अ' के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों तक सीमित रखें।

(iii) अपने सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही दीजिये। अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।

खण्ड—अ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

नोट : किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है।

1. 'ईदगाह' कहानी की तात्त्विक समीक्षा कीजिए।
2. निबन्ध से क्या तात्पर्य है ? उसके प्रकार भी बताइए।
3. कहानी और उपन्यास का तुलनात्मक निरूपण कीजिए।
4. 'मैं हार गई' में उठाई गई सामाजिक समस्या की विवेचना कीजिए।
5. 'पाजेब' कहानी की कथावस्तु का विश्लेषण कीजिए।
6. 'ईदगाह' के हामिद की स्थिति और विचारों की समीक्षा कीजिए।
7. 'तुम चन्दन हम पानी' निबन्ध की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

StudyHub HNBGU

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड—ब

नोट : किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है।

1. नाटक 'अंधेर नगरी' भारतेन्द्र की नाट्यकला का श्रेष्ठ उदाहरण है, सिद्ध कीजिए।

2. तात्त्विक आधार पर 'चीनी फेरी वाला' रेखाचित्र का विश्लेषण कीजिए।

3. रामचन्द्र शुक्ल ने 'उत्साह' में उत्साह के महत्व एवं मर्यादाओं का गंभीरतापूर्वक विश्लेषण किया है, कैसे ?

4. डॉ. नगेन्द्र की निबन्ध शैलियों का वर्णन कीजिए।

5. हिन्दी गद्य को गई दिशा देने में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के योगदान की समीक्षा कीजिए।

6. निम्नलिखित गद्यखण्डों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) अपनी कथा सुनाने के लिए वह विशेष उत्सुक रहा करता था। पर कहने-सुनने वाले की बीच की खाई बहुत गहरी थी। उसे चीनी और बर्मी भाषाएँ आती थीं, जिनके सम्बन्ध में अपनी सारी विद्या बुद्धि के साथ मैं 'आँख के

StudyHub HNBGU

Scanned with OKEN Scanner

अंधे नाम नयन सुख' की कहावत चरितार्थ करती थी। अंग्रेजी की क्रियाहीन संज्ञाओं के सम्मिश्रण से जो विचित्र भाषा बनती थी, उसमें कथा का सार मर्म बँध नहीं पाता था।

(ख) मनुष्य शारीरिक कष्ट से पीछे हटने वाला प्रांणी नहीं है। मानसिक क्लेश की संभावना से भी बहुत-से कर्मों की ओर प्रवृत्त होने का साहस उसे नहीं होता। जिन बातों से समाज के बीच उपहास, निन्दा, अपमान इत्यादि का भय रहता है, उन्हें अच्छी और कल्याणकारिणी समझते हुए भी बहुत से लोग उनसे दूर रहते हैं। प्रत्यक्ष हानि देखते हुए भी कुछ प्रथाओं का अनुसरण बड़े-बड़े समझदार तक, इसीलिए करते चलते हैं कि उनके त्याग से वे बुरे कहे जाएँगे, लोगों में उनका वैसा आदर-सम्मान न रह जाएगा।

StudyHub HNBGU

Scanned with OKEN Scanner

S–307(B)

(आधुनिक भारतीय भाषा)

[हिन्दी भाषा और साहित्य (ख)]

उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं तक हिन्दी पढ़ी है

[SOACL/Hindi/MIL/CC–003(B)]

Time : Two Hours] [*Maximum Marks : 70*

नोट : (i) खण्ड 'अ' से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के और खण्ड 'ब' से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) खण्ड 'अ' के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों तक सीमित रखें।

(iii) अपने सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही दीजिये। अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।

खण्ड—अ

नोट : किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

1. यह मेरी गोदी की शोभा,
   सुख सोहाग की लाली।
   शाही शान भिखारन की है,
   मनोकामना मतवाली।
   इन पंक्तियों के रचनाकार का नाम बताते हुए इनका आवार्थ स्पष्ट कीजिए।

StudyHubHNBGU

Scanned with OKEN Scanner

2. आदिकाल के **पाँच** कवि तथा उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।

3. कैदी और कोयल के जीवन में क्या अन्तर है ?

4. 'दो लड़के' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

5. सुभद्राकुमारी चौहान के साहित्यिक व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा किया गया काल-विभाजन प्रस्तुत कीजिए।

7. भक्तिकाल की **पाँच** प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ब

नोट : किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

1. सूरदास के 'भ्रमरगीत' की विशेषताओं का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

2. कबीर के समाज-सुधारक रूप पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।

StudyHub HNBGU

Scanned with OKEN Scanner

3. भारतेन्दु युगीन काव्य की प्रवृत्तियों का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए।

4. सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

5. आधुनिक काल की परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

6. "सूरदास वात्सल्य और श्रृंगार रस के सम्राट हैं।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

StudyHub HNBGU

Scanned with OKEN Scanner